अल्लाह और रसूलﷺ की मोहब्बत

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी 'रसूलुल्लाहﷺ के साथियो का हाल'.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*बुखारी व मुस्लीम, रावी हज़रत अनस रदी. > एक आदमी रसूलुल्लाहﷺ के पास आया और पूछा की कयामत कब होगी? आपﷺ ने फरमाया तुम्हारा भला हो तुमने इसके लिए कुछ तैयारी की है? उसने कहा, मेने उसके लिए कुछ ज़्यादा तैयारी तो नहीं की, हां अल्लाह और उसके रसूलﷺ से मोहब्बत रखता हूं आपﷺ ने फरमाया की आदमी को उन्हीं लोगों की संगाती नसीब होगी जिनसे वो मोहब्बत करता है. हज़रत अनस रदी कहते है की इस्लाम लाने के बाद लोगों को कभी इतनी खुशी नहीं हुई जितनी आपﷺ की ये बात सुनकर लोगों को खुशी हुई. आपﷺ के साथी अमल के मैदान में जितना आगे थे कुरान ने उसकी गवाही दी है लेकिन इसके बावजूद वो अपने बारे में बहुत फिकरमन्द रहते थे. आपﷺ की ये बात सुनकर

उन्हें खुश होना ही चाहिए था, और ऐसे फिकरमन्द लोगों से ये बात कही भी जा सकती है.

नमाज़ो की ज़्यादती

*मुस्लीम, रावी हज़रत रबीआ बिन कअब रदी. (आपﷺ के खादिम) > रात में रसूलुल्लाहﷺ के साथ रहता था, आपके लिए वुज़ू का पानी लाता और दूसरी ज़रूरतों का इन्तेज़ाम करता. एक दिन आपने फरमाया तुम कुछ मांगो मेने कहा की में आपके साथ जन्नत में रहना चाहता हूं, आपने फरमाया की और कुछ? मेने कहा की मुझे और कुछ नहीं चाहिए, बस यही चाहिए, तो आपने फरमाया की अगर तुम मेरे साथ जन्नत में रहना चाहते हो तो नमाज़ की ज़्यादती से मेरी मदद करो. यानी जन्नत में रहना चाहते हो तो ज़ौक व शौक से अल्लाह की बन्दगी करो, ज़्यादा से ज़्यादा नमाज़ पढो, इसके बगैर जन्नत में मेरा साथ नहीं हो सकता.